आपो हि ष्ठा मयोभुवः

जुलाई 2025

संरक्षक
डॉ. मनमोहन कुमार गोयल

मुख्य संपादक
डॉ. सुहास खोब्रागडे

परामर्शदाता
डॉ. सुरजीत सिंह
डॉ. मुकेश कुमार शर्मा
डॉ. मनीष कुमार नेमा
डॉ. प्रदीप कुमार
डॉ. दीपक सिंह बिष्ट

संपादक
डॉ. सोबन सिंह रावत

उप संपादक
प्रदीप कुमार उनियाल

सह संपादक
पवन कुमार

प्रकाशक
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान,
जलविज्ञान भवन,
रूड़की-247667
उत्तराखंड

मुद्रक
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान,
रूड़की

# संपादकीय

तकनीकी पत्रिका ''जल चेतना'' का नवीन अंक अपने प्रबुद्ध पाठकों को सौंपते हुए हमें अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है। विगत की तरह इस अंक में भी वैज्ञानिक तथा तकनीकी विषयों से जुड़ी विभिन्न जानकारियों को सरल, सुबोध एवं प्रचलित भाषा में प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है ताकि हर वर्ग का पाठक जल संबंधी शोध एवं विकास कार्यों की नई-नई जानकारियों का लाभ उठा सके। हमें विश्वास है कि यह अंक भी हमारे पाठकों को रोचक, ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी लगेगा। सुधी पाठकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया और प्रबुद्ध लेखकों के सहयोग से ''जल चेतना'' पत्रिका के प्रकाशन का यह क्रम वर्ष 2011 से निरन्तर जारी है।

प्रस्तुत अंक में भारत के प्रमुख नदी तंत्र और उनके विशिष्ट महत्व; बदलते परिपेक्ष में भारतीय बांधों की सुरक्षा एवं जोखिम प्रबंधन; जलविज्ञान और कम्प्यूटर विज्ञानः जल सुरक्षा के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण; जल संसाधनों का संरक्षण आवश्यक एवं महत्वपूर्ण इत्यादि जैसे रोचक, महत्वपूर्ण एवं उपयोगी लेखों को शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त इस अंक में जल से ही संबंधित कुछ अन्य रोचक विषयों जैसे उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश की रामसर साइट आर्द्रभूमियां; प्रदूषित जल की बढ़ती समस्या; माँ गंगा का बदलता स्वरूपः एक करुण पुकार; जल समाचार आदि विषयों पर लिखे गए लेखों को भी सम्मिलित किया गया है।

जल समस्त प्राणियों के लिए अपरिहार्य तथा प्रकृति प्रदत्त एक अनमोल द्रव है जिसका अन्य कोई विकल्प नहीं है। आज जल संरक्षण को लेकर समूचा विश्व चिंतित है। यद्यपि प्रकृति ने हमें पर्याप्त मात्रा में जल सुलभ कराया है तथापि आज पूरे विश्व में जल का संकट गहराता जा रहा है। इसके लिए कई कारक जिम्मेवार हैं लेकिन जल का समुचित प्रबंधन न करना सबसे महत्वपूर्ण कारक है। जल से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए यह आवश्यक है कि जनमानस को जल के विभिन्न पहलुओं की पर्याप्त जानकारी हो। आज जल के अनियंत्रित दोहन के चलते स्वच्छ जल की कुल उपलब्धता धीरे-धीरे घटी है। इसका एक अन्य प्रमुख कारण जल प्रदूषण भी है। आज शहरी क्षेत्रों में जनसंख्या वृद्धि के कारण जल की मांग में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। अतः इस पत्रिका के प्रकाशन का मुख्य उद्देश्य जल से संबंधित महत्वपूर्ण एवं उपयोगी जानकारियों को सामान्य जनमानस तक उनकी बोलचाल की भाषा के माध्यम से पहुंचाना है। जन जागरूकता अभियान तथा प्रचार-प्रसार की दृष्टि से यह पत्रिका निःशुल्क वितरित की जाती है।

संपादक मंडल उन समस्त विद्वत लेखकों का हृदय से आभार व्यक्त करता है जिन्होंने इस पत्रिका के लिए अपने रोचक एवं उपयोगी लेख देकर हमारा उत्साह बढ़ाया है। जल चेतना के इस अंक में जिन स्रोतों से चित्रों का संकलन किया गया है, संपादक मंडल उनका भी हार्दिक आभार व्यक्त करता है।

हमें विश्वास है कि यह पत्रिका पाठकों को अत्यन्त रोचक तथा उपयोगी लगेगी। पत्रिका के आगामी अंकों को और बेहतर बनाने तथा सामग्री व साज-सज्जा में अपेक्षित सुधार लाने के लिए समस्त सुधी पाठकों से उनके महत्वपूर्ण सुझाव आमंत्रित हैं।

**जल चेतना**

मूल्य : निःशुल्क
शिकायत: 01332-249267, 249227
ई–मेल : jalchetna44@gmail.com

सम्पादकीय : 01332-249220, 249227,
फैक्स : 01332-272123
ई–मेल : jalchetna44@gmail.com
वेब साइट : www.nihroorkee.gov.in

© राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान
पत्रिका में प्रकाशित आलेख एवं रचनाओं में प्रस्तुत तथ्य लेखकों के अपने विचार हैं, संपादक मंडल का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।
पत्रिका से सम्बन्धित सभी विवाद रूड़की न्यायालय द्वारा ही निपटाए जायेंगे।